ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 24-05-2024

जहानाबाद(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-05-24 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-05-25	2024-05-26	2024-05-27	2024-05-28	2024-05-29
वर्षा (मिमी)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान(से.)	36.2	36.4	38.8	41.8	41.6
न्यूनतम तापमान(से.)	24.5	26.0	27.5	27.1	26.5
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	46	34	25	38	55
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	24	22	16	6	12
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	10	8	8	15	17
पवन दिशा (डिग्री)	158	202	165	68	75
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	4	8	8	8

मौसम सारांश / चेतावनी:

• भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार,25-29 मई के दौरान जिले के एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा/ बूंदा बांदी, मेघ- गर्जन और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना हैं। • अधिकतम तापमान 35-37 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 24-26 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की संभावना है। • सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 75 से 80 प्रतिशत तथा दोपहर में 30 से 35 प्रतिशत रहने की संभावना है। • पूर्वानुमान की अवधि में 10-15 किमी/घंटा की रप्तार से पूरबा हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

पूर्वानुमानित अवधि में वर्षा की संभावना को देखते हुए खड़ी फसलों में सिंचाई स्थगित करें। कीटनाशक दवा एवं खाद का छिडकाव मौसम साफ रहने पर ही करें।

लघु संदेश सलाहकार:

आकाशीय बिजली से सुरक्षा हेतु अलर्ट हेतु "दामिनी" मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	धान की नर्सरी के लिए खेत की तैयारी करें। देर से पकने वाली धान की किस्में राजश्री, राजेंद्र मंसूरी, राजेंद्र श्वेता, किशोरी, स्वर्ण, स्वर्ण सब-1 वीपीटी-5204,सत्यम आदि की नर्सरी 25 मई से स्थापित कर सकते हैं ।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	स्वस्थ पौध के लिए नर्सरी में सड़ी हुई गोबर की खाद का व्यवहार करे। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु 800- 1000 बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौडाई 1.25-1.5 मीटर एवं लम्बाई सुविधानुसार रखें। प्रमाणित बीजों का प्रयोग करें तथा बुआई से पूर्व उपचारित करना सुनिश्चित करें।
गन्ना	अभी गन्ना फसल में कालिका रोग (smut) के प्रकोप की सभांवना है। इस रोग से आक्रांत पौधों के फुनगी से काला डंढल निकलता जो एक सफेद झिल्ली से ढका रहता है, जिसमे अनगिनत बीजाणु पाए जाते है। ऐसे रोगग्रस्त पौधों को पालीथीन बैग से ढककर नष्ट कर दे ताकि बीजाणु और अधिक न फैल सके। इसके बाद कार्बेन्डाजिम फफूंदनाशी दवा का 0.1 प्रतिशत प्रति लीटर पानी से ड्रेंचिंग करे एवं प्रोपिकोनाजोल नामक दवा 0.1 प्रतिशत प्रति लीटर पानी से घोल बनाकर 15 दिनों के अंतराल पर तीन बार छिड़काव मौसम साफ रहने पर करे। रोग ग्रस्त खेतों में अगले तीन सालों तक गन्ने की रोपाई ना करें एवं गहरी जुताई कर फसल चक्र अपनायें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
करेला	लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा फसलों में फल मक्खी कीट की निगरानी करें। यह इन फसलों को क्षति पहुचाने वाला प्रमुख कीट है। मादा कीट मुलायम फलों की त्वचा के अन्दर अंडे देती है। अंडे से पिल्लू निकलकर अन्दर ही अन्दर फलों के भीतरी भाग को खाता है। जिसके कारण पूरा फल सड़ कर नष्ट हो जाता है। इस कीट का प्रकोप शुरू होते ही 1 किलोग्राम गुड़, 2 लीटर मैलाथियान 50 ई0सी0 को 1000 लीटर पानी मे घोल कर प्रति हेक्टेयर की दर से 15 दिनों के अन्तराल पर दो बार छिड़काव मौसम साफ रहने पर करें।
मिर्च	मिर्च के खेत में विषाणु रोग से ग्रसित पौधों को उखाड़कर जमीन में गाड़ दे, तदुपरांत इमिडाक्लोप्रिड एक मि0ली0 प्रति 3 लीटर पानी की दर घोल बनाकर सुबह अथवा शाम के वक्त छिड़काव मौसम साफ रहने पर करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	मई के अंत तक गलाघोटू एवं लंगड़ी रोग से बचाव के लिए पशुओं को टीकाकरण कराने की आवश्यकता है। सभी दुधारू पशुओ में टीकाकरण अवश्य कराये।